

# 不到顶点



王朝闻

# 不到顶点

王朝闻



上海文艺出版社

责任编辑：唐宗良

封面设计：袁银昌

尾    花：陈达林

## 不 到 顶 点

王 朝 闻

上海文艺出版社出版

(上海绍兴路74号)

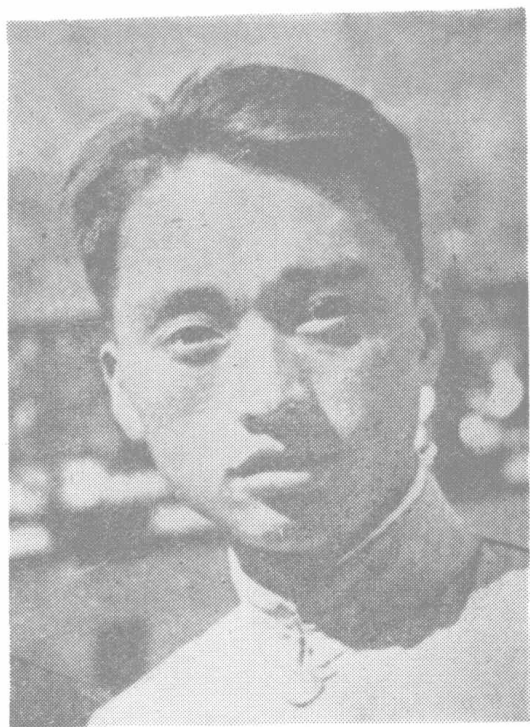
新华书店上海发行所发行 上海中华印刷厂印刷

开本 787×960 1/32 印张 11.5 插页 10 字数 159,000

1983年3月第1版 1983年3月第1次印刷

印数：1—20,000册

书号：8078·3404 定价：1.00元



作者在杭州“艺专”留影

## 出版说明

《不到顶点》是著名美学家、文艺理论家王朝闻同志一九八〇年元月至一九八二年六月间写成，发表在全国各地报刊上的千字文艺术短论（不包括作者同一时期撰写的、已分别编入《开心钥匙》和《再再探索》等文集的长篇论文）。

这些艺术短论涉及电影、戏剧、音乐、舞蹈、美术、曲艺、园林艺术、工艺美术等，内容丰富，形式多样，抓住人们习见的某些文艺现象，娓娓道来，往往点出了精辟的艺术哲理，给人以平易、深切的感受。

文章的排列原则上按发表的时间先后为序。

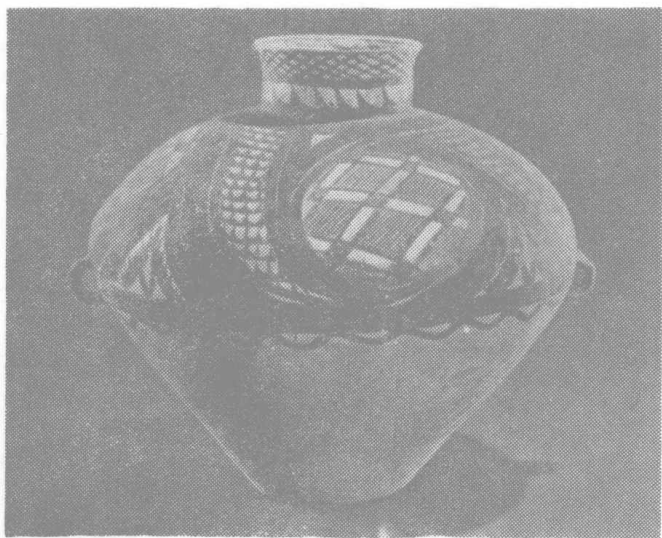
上海文艺出版社

一九八二年七月



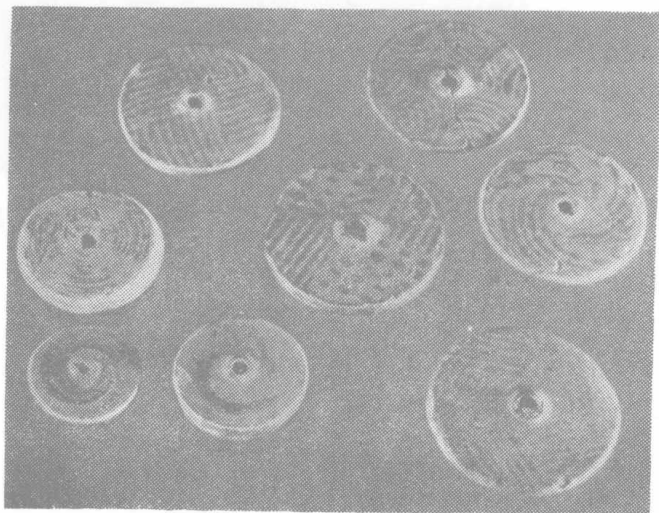
陶 鬲

山东潍坊出土



彩陶壺

甘肅永靖出土



彩繪陶紡輪

湖北京山出土  
河南淅川出土





鸿庆寺石雕菩萨残像

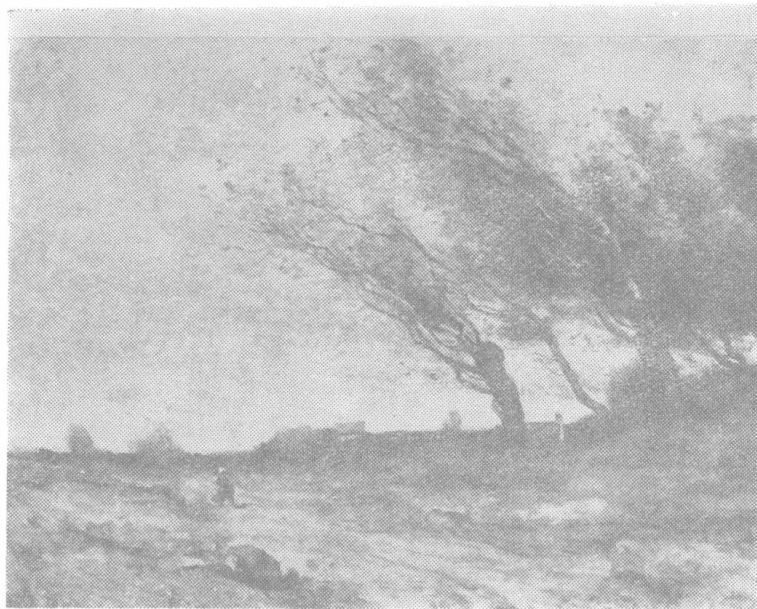
无款





石 獅

无 款



阵 风

(法) 珂 罗



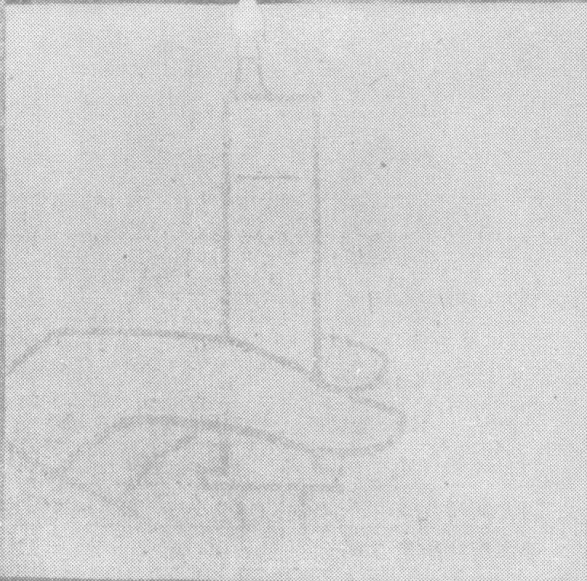
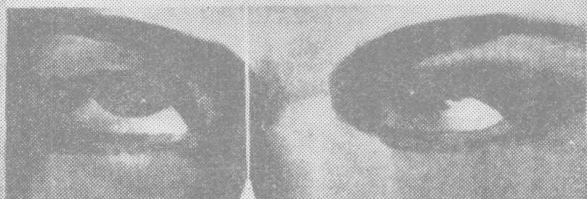
凉山舞步

叶浅予



祢衡击鼓

关良



神圣的职责

SHEN SHENG DE ZHI ZE

神圣的职责

孙鹤

## 目 录

|                       |    |
|-----------------------|----|
| 风流千载.....             | 1  |
| 不到顶点.....             | 5  |
| “臭美”略析.....           | 10 |
| 期待与惊讶.....            | 15 |
| 关于重演《五彩轿》的通信.....     | 19 |
| 江青“打伞”.....           | 23 |
| 关于革命历史题材影片创作的一封信..... | 25 |
| 美也间接地暴露丑.....         | 28 |
| 从心上来.....             | 31 |
| 意内而官外.....            | 34 |
| 最喜小儿无赖.....           | 37 |
| 打铁又怕把手磨粗.....         | 39 |
| 加倍热闹.....             | 42 |
| 萝卜西西.....             | 45 |
| 却又妙在含蓄.....           | 48 |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 给《美学通讯》编辑部的一封信····· | 51  |
| ——代发刊词              |     |
| 始于足下·····           | 55  |
| ——致《美育》编辑部同志们       |     |
| 从“你为什么要参加革命”谈起····· | 60  |
| 不与人苟同·····          | 65  |
| 理有恒存·····           | 68  |
| 贵乎反本·····           | 71  |
| 出神入化·····           | 74  |
| 夸而有节·····           | 77  |
| 多么美呀·····           | 80  |
| 很好的消息·····          | 83  |
| 你管我咋个结局·····        | 86  |
| 拿着金饭碗讨口·····        | 89  |
| 想象中的恐怖·····         | 92  |
| 《盖叫天艺术论集》跋·····     | 95  |
| 似是而非·····           | 99  |
| 优采潜发·····           | 102 |
| 言不尽意·····           | 105 |
| 智也无涯·····           | 108 |
| 相隔十余步·····          | 111 |
| 自己喜欢的·····          | 114 |



|                   |     |
|-------------------|-----|
| 《白石画稿》代前言·····    | 118 |
| 别了雪峰·····         | 120 |
| 偶成·····           | 124 |
| “光棍好过”与青岛风光·····  | 127 |
| 《劳山道士》与麦克眼镜·····  | 130 |
| 讲求成效的滑稽家·····     | 133 |
| 莫贻后悔·····         | 136 |
| 为别人的自由发展创造条件····· | 139 |
| 絳之难尽·····         | 142 |
| 无施不可·····         | 144 |
| 易懂与难懂·····        | 147 |
| 有味与乏味·····        | 150 |
| 坏事变好事·····        | 153 |
| 满意不满意·····        | 156 |
| 看四川油画·····        | 159 |
| 接近中也有距离·····      | 162 |
| 莫明其妙与真妙·····      | 166 |
| 脂粉可能污染颜色·····     | 169 |
| 赞群众美术家·····       | 172 |
| 这里来薅喔·····        | 175 |
| 尽在不言中·····        | 178 |
| 声音的建筑·····        | 182 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 挤感情与真感情·····   | 185 |
| 真正的风格·····     | 189 |
| 月满则亏·····      | 193 |
| 明道若昧·····      | 196 |
| 淋漓尽致·····      | 199 |
| 新与旧·····       | 202 |
| 真实感与魅力·····    | 205 |
| 一只绣鞋·····      | 208 |
| 海面“湖泊”·····    | 211 |
| 甘心受骗·····      | 214 |
| 后悔莫及·····      | 217 |
| 改头换面·····      | 220 |
| 需要尊重·····      | 223 |
| 摩天阁·····       | 226 |
| 南天门·····       | 229 |
| 月亮般的太阳·····    | 232 |
| 我之为我·····      | 235 |
| 横看成岭侧成峰·····   | 238 |
| 是不是美中不足·····   | 242 |
| 正业与非正业·····    | 245 |
| 夸张、胡闹及其他·····  | 248 |
| 这个新娘和那个新娘····· | 251 |